E-191

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र –जून–जुलाई 2021–22

एम.ए.पूर्व (हिन्दी)

विषय –आदि एवं मध्यकालीन काव्य **प्रश्नपत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड–अ

1. 'रासो' में पृथ्वीराज की बहन का नाम क्या है ?
2. विद्यापति किसके राज्याश्रित कवि थे ?
3. कबीर के माता-पिता का नाम लिखिए।
4. मलिक मुहम्मद जायसी का मूल नाम क्या था ?
5. "अब लौं नसानी❁ अब न नसैहों❁" किसका कथन है ?
6. 'बिहारी सतसई' का मूल छंद क्या है ?
7. "प्रभु हौं सब पतितन को टीकौ" पद के रचनाकार का नाम लिखिए।
8. कवि भूषण कितने भाई थे ?

खण्ड–ब

9. भूषण का जीवन परिचय दीजिए।
10. 'रासो' शब्द की उत्पत्ति पर प्रकाश डालिए।
11. मध्यकालीन काव्य की **पाँच** विशेषताएँ लिखिए।
12. सूफी काव्य की विशेषताएँ लिखिए।
13. कबीर क ब्रह्म संबंधी विचार पर प्रकाश डालिए।
14. बिहारी के नीतिपरक दोहों का उदाहरण दीजिए।

खण्ड—स

15. 'पृथ्वीराज रासो' की भाषा पर लेख लिखिए।
16. जायसी के काव्य में प्रेमाभिव्यंजना को स्पष्ट कीजिए।
17. मीरा की भक्तिभावना पर प्रकाश डालिए।
18. पद्माकर का जीवन परिचय देते हुए उनकी अनुभूति एवं अभिव्यंजना पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—द

19. "विद्यापति प्रेम और शृंगार के कवि हैं।" सविस्तार वर्णन कीजिए।
20. "सूरदास वात्सल्य का कोना-कोना झाँक आए हैं। इस दृष्टि से वे विश्व के साहित्य में बेजोड़ हैं।" विवेचना कीजिए।
21. बिहारी की बहुज्ञता की विस्तृत विवेचना कीजिए।
22. संदर्भ-प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :

    "सतगुरु सवां ने को सगा☸ सोधी सई न दाति।
    हरि जी सवां न को हितू☸ हरिजन सई न जाति⌋
    बलिहारी गुरु आपणै☸ द्यौं हाड़ी कै बार।
    जिम मानिश तैं देवता☸ करत न लागी बार⌋"

खण्ड—इ

23. तुलसीदास की भक्तिभावना पर एक विस्तृत निबन्ध लिखिए।
24. "घनानंद प्रेम के कवि हैं"☸ सविस्तार वर्णन कीजिए।

आवश्यक निर्देश :—

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2022 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व—हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जून—जुलाई 2021—22 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जून—जुलाई 2021—22 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय—वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक—सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

E-192

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र –जून–जुलाई 2021–22

एम.ए.पूर्व (हिन्दी)

विषय –आधुनिक काव्य **प्रश्नपत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड–अ

1. निराला ने कौन-सा शोकगीत लिखा है ?
2. 'मैं नीर भरी दुःख की बदली' पंक्ति किस रचनाकार की है ?
3. 'सीढ़ियों पर धूप में' काव्य-संग्रह किसका है ?
4. दुष्यंत कुमार के काव्य नाटक का नाम लिखिए।
5. 'साकेत' की नायिका का नामोल्लेख कीजिए।
6. 'सुंघनी साहू' किस कवि के बचपन का नाम था ?
7. 'लोकायतन' किस कवि का प्रबंध काव्य है ?
8. 'रघुवीर सहाय' किस सप्तक के कवि हैं ?

खण्ड–ब

9. जयशंकर प्रसाद के कृतित्व पर प्रकाश डालिए।
10. कवि दिनकर की राष्ट्रीयता पर प्रकाश डालिए।
11. 'बादल को घिरते देखा है' कविता पर अपना अभिमत लिखिए।
12. 'असाध्य वीणा' से आप क्या समझते हैं ?
13. 'साये में धूप' के मूल प्रतिपाद्य का उल्लेख कीजिए।

14. मैथिलीशरण गुप्त के 'साकेत' का परिचय दीजिए।

खण्ड—स

15. प्रसाद के नारी सौंदर्य का वर्णन कीजिए।
16. 'नागार्जुन' का शिल्प जन-सामान्य के निकट है। लिखिए।
17. नरेन्द्र शर्मा द्वारा सृजित काव्यकृतियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
18. पंत की भाषाशैली का उल्लेख कीजिए।

खण्ड—द

19. उर्मिला विरह से आप क्या समझते हैं ?
20. "छन्द प्रयोग की दृष्टि से निराला का काव्य अत्यंत महत्वपूर्ण है।" बतलाइये।
21. 'बच्चन का काव्य प्रभावित करता है।' इस कथन पर अभिमत दीजिए।
22. 'नई कविता' के संदर्भ में रघुवीर सहाय के काव्य का मूल्यांकन कीजिए।

खण्ड—इ

23. मैथिलीशण गुप्त के काव्य के अनुभूति पक्ष की विवेचना कीजिए।
24. महादेवी वर्मा के काव्य के अभिव्यंजना पक्ष का परिचय दीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2022 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जून–जुलाई 2021–22 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जून–जुलाई 2021–22 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र –जून–जुलाई 2021–22

एम.ए. पूर्व हिन्दी साहित्य

विषय –हिन्दी साहित्य का इतिहास **प्रश्नपत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड–अ

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने भक्तिकाल का समय कब से कब तक निर्धारित किया है ?
2. शिवसिंह सेंगर ने साहित्य के आरम्भ का प्रथम हिन्दी कवि किसे माना है ?
3. सिख धर्म के आदि गुरु का नाम बताइए।
4. 'संत काव्य धारा' के प्रवर्तक का नाम लिखिए।
5. 'चांदायन' के रचनाकार का नाम लिखिए।
6. आधुनिक युग का आरम्भ किस साहित्यकार से होता है ?
7. भारत में प्रगतिशील लेखक संघ का प्रथम अधिवेशन किस सन् में हुआ था ?
8. श्रीकान्त वर्मा के जन्मस्थान का नाम लिखिए।

खण्ड–ब

9. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के वीरगाथा काल से आपका क्या आशय है ?
10. 'संत काव्य' से आपका क्या आशय है ? स्पष्ट कीजिए।
11. कृष्णभक्ति काव्य की परम्परा के संबंध में अपना मत रखिए।
12. 'रीति' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
13. नई कहानी❁ पुरानी कहानी से कैसे अलग है ? स्पष्ट कीजिए।

14. प्रसादयुगीन नाटकों की रचनाएँ बताइए।

खण्ड—स

15. आदिकाल के नामकरण की सम्यक् विवेचना कीजिए।
16. लौकिक साहित्य के प्रमुख कवि एवं काव्य का उल्लेख कीजिए।
17. तुलसीदास के काव्य के दार्शनिक पक्ष पर प्रकाश डालिए।
18. भारतेन्दुयुगीन साहित्य की प्रवृत्तियों की विवेचना कीजिए।

खण्ड—द

19. आदिकालीन काव्य की विभिन्न परिस्थितियों का विवेचन कीजिए।
20. सिद्धों और नाथों के साहित्य की तुलना करते हुए समानता बताइए।
21. संत काव्य की संपूर्ण पृष्ठभूमि का परिचय दीजिए।
22. प्रयोगवाद की विभिन्न प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—इ

23. प्रेमाख्यान काव्य की प्रवृत्तियों और विशेषताओं की विस्तृत विवेचना कीजिए।
24. हिन्दी साहित्य के इतिहास के अन्तर्गत अन्य गद्य विधाओं का विवेचन कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2022 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जून–जुलाई 2021–22 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जून–जुलाई 2021–22 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र –जून–जुलाई 2021–22

एम.ए. पूर्व हिन्दी

विषय –काव्यशास्त्र एवं समालोचना **प्रश्नपत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड–अ

1. प्रबन्ध काव्य के कौन से **दो** भेद हैं ?
2. भरतमुनि ने रस के कितने प्रकार माने हैं ?
3. वैदर्भी रीति के **तीन** मूल तत्व कौन से हैं ?
4. "काव्य शोभाकारक धर्मो को अलंकार कहते हैं।" किसकी परिभाषा है ?
5. ध्वनि के प्रमुखतः कितने भेद हैं ?
6. 'वक्रोक्तिजीवितम्' ग्रन्थ किसका है ?
7. टी. एस. इलियट की किसी **एक** पुस्तक का नाम लिखिए।
8. मार्क्सवाद को विकसित करने का श्रेय किसे जाता है ?

खण्ड–ब

9. काव्य के **तीन** हेतु कौन से हैं ? लिखिए।
10. विभाव के **दो** भेद कौन से हैं ? लिखिए।
11. श्रृंगार रस की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिए।
12. काव्य के दोष क्या हैं ? स्पष्ट कीजिए।
13. चित्र काव्य क्या है ? स्पष्ट कीजिए।
14. रस के स्वरूप को संक्षिप्त में स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–स

15. साधारणीकरण सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।
16. औचित्य के भेदों का वर्णन कीजिए।
17. गुणीभूत व्यंग्य के भेदों को उदाहरण सहित लिखिए।
18. अलंकार का अर्थ एवं उसका स्वरूप लिखिए।

खण्ड—द

19. अरस्तू के अनुकरण सिद्धान्त को समझाइए।
20. प्लेटो के काव्य सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।
21. आई. ए. रिचर्ड्स का रागात्मक अर्थ और संवेगों का सन्तुलन क्या है ? स्पष्ट कीजिए।
22. अस्तित्ववाद की मुख्य स्थापनाएँ क्या हैं ? लिखिए।

खण्ड—इ

23. नई समीक्षा के प्रमुख समीक्षकों का वर्णन कीजिए।
24. हिन्दी आलोचना के विकास को स्पष्ट कीजिए।

आवश्यक निर्देश :—

1. **छात्र सत्रीय कार्य सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2022 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जून–जुलाई 2021–22 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जून–जुलाई 2021–22 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**